श्री कृष्ण दत्त सुल्तानपुरी (शिमला) : उपाध्यक्ष महोदय, हिमाचल प्रदेश में जिला सोलन के ओछघाट स्थान पर कृषि विश्वविद्यालय स्थापित करने हेतु राज्य सरकार द्वारा कदम उठाये गये थे । परन्तु इस स्थान से कृषि विश्वविद्यालय का स्थानान्तरण करके पालनपुर, जिला कांगड़ा में ले जाया गया । हिमाचल प्रदेश राज्य सरकार भारत सरकार से यह मांग करती चली आ रही है कि सोलन जिला की ओछघाट स्थान पर जो सत्यानन्द स्टोक्स के नाम से कृषि विद्यालय का काम्लेक्स बना हुआ है वह वागवानी फोरस्ट्री यूनिवर्सिटी में बदला जाय क्योंकि इस समय पहाड़ी क्षेत्रों को वनों और फलों की अधिक आवश्यकता है कि उस पर अनुसंधान किया जाय और इस संबंध में लोक सभा के बहुत से सदस्यों ने मांग की थी कि उसको उद्यान विश्वविद्यालय का दर्जा दिया जाय । परन्तु अभी तक इस संबंध में भारत सरकार ने कोई भी ठोस कदम नहीं उठाये । मैं भारत सरकार से यह मांग करूंगा कि हिमाचल प्रदेश में उपरोक्त यूनिवर्सिटी खोली जाय और उसको भारत सरकार अधिक से अधिक मदद दे ताकि पहाड़ी क्षेत्रों में वन और फल उत्पादन के बारे में अधिक से अधिक अनुसंधान किया जा सके ।

(ii) Establishment of Industries in Mirzapur.

श्री उमा कान्त मिश्र (मिर्जापुर) : उत्तर प्रदेश में मिर्जापुर जिला एक लम्बे क्षेत्रफल का जिला है । इसकी लम्बाई लगभग 300 किलोमीटर है । जिले के दक्षिणी भाग में बिजली का कारखाना होने के कारण कई बड़े-बड़े उद्योग स्थापित हो गये हैं तथा कोयले का भण्डार मिलने के कारण अनेक बड़े-बड़े तापिय बिजली गृह स्थापित हो र हैं और इसी कारण अन्तय उद्योगों की भी उसी क्षेत्र में स्थापित होने की सम्भावनायें हैं । किन्तु जिले का उत्तरी भाग उद्योग विहीन है । हमारे क्षेत्र का पुराना मिर्जापुर शहर उजड़ता जा रहा है । किसी समय लाख, रुई, बर्तन आदि उद्योगों के कारण विन्ध्याचल का यह शहर एक जीवन्त और प्रसिद्ध शहर रहा है । आज उक्त उद्योग भी समाप्त प्राय: हैं । लोग यहां से भाग रहे हैं और दक्षिणांचल में जा रहे हैं । शहर के आसपास का ग्रामीण क्षेत्र भी विकास से वंचित हो रहा है । बेरोज़गारी से लोग पीड़ित हैं और भाग कर बम्बई, कलकत्ता और अन्य शहरों की ओर जा रहे हैं, अत्यन्त निराशा तथा हताशा व्याप्त है । अत: केन्द्रीय सरकार तथा उद्योग मंत्री जी से निवेदन है कि मिर्जापुर विन्ध्याचल के पास सार्वजनिक क्षेत्र, निजी या सहकारिता के क्षेत्र में एक बड़ा उद्योग स्थापित किया जाय ।

(iii) Demand for re-opening of Bihar Cotton Mills Limited, Phulwari Sharieff, Bihar.

श्री रामावतार शास्त्री (पटना) : उपाध्यक्ष महोदय बिहार की राजधानी पटना के निकट फुलवारी शरीफ में बिहार काटन मिल्स लि॰ वर्षों से काम करता आ रहा था । पहले वहां मोटा कपड़ा और सूत दोनों का उत्पादन होता था, बाद में केवल सूत का उत्पादन होने लगा । इसके लिए मिल मालिकों को कपास का कोटा मिलता था, जो संभवत: आज तक जारी है । कारखाने में काम करने वाले मजदूरों की संख्या लगभग नौ सौ है, जिनमें अधिकांश स्थानीय और कुछ बाहर के मजदूर हैं । उन मजदूरों पर उनके परिवार के हजारों व्यक्तियों की रोटी निर्भर है ।

परन्तु दु:ख है कि कारखाने के मालिकों ने सरकार से अनुमति लिए बगैर अकस्मात 20 जुलाई, 1982 को